NIRF RANKING 2020

HBTU

Rank - 166
(All Over India)

Rank - 1
(UP Govt. funded Institution)

Rank- 7 In UP
(All Govt. funded Institutions Including IIT Kanpur and IIT BHU)

Highest Placements

Swapnil Mahajan Sir (60 Lakh) Google
Shubham Dhama Sir (43.5 Lakh) Microsoft

Poster By Mohit Jaisal

एचबीटीयू स्टेट में नंबर वन

पहले साल नहीं मिली थी एनआईआरएफ में कोई रैंकिंग, दूसरे साल स्टेट लेवल पर धमाकेदार प्रदर्शन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (11 June): मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट एमएचआरडी की ओर से जारी पूरे देश के यूनिवर्सिटी और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन की रैंकिंग की लिस्ट जारी की गई. इस रैंकिंग में देश के सभी सेंट्रल, स्टेट और प्राइवेट यूनिवर्सिटी की लिस्ट में हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी को ओवर आल 166वां स्थान मिला है. सबसे रोचक बात यह है लास्ट इयर पहली बार एचबीटीयू नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में शामिल हुआ था. जहां पर इसको कोई रैंक ही नहीं दी गई थी. वहीं इस बार पहली बार यूनिवर्सिटी को एनआईआरएफ की ओर से रैंकिंग दी गई. जिसमें उसने 32.69 स्कोर के साथ पूरे देश में 166 रैंक हासिल की. वहीं स्टेट में यह नंबर वन बनने में कामयाब रही है.

स्टेट लेवल में नंबर वन

एचबीटीयू के प्रो-वीसी प्रो. मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि एमएचआरडी की एनआईआरएफ रैंकिंग में गोरखपुर में स्थित मदन मोहन मालवीय टेक्निकल यूनिवर्सिटी को 183वां स्थान मिला है. इसके साथ ही स्टेट लेवल पर बात करें तो एचबीटीयू को 29 स्टेट यूनिवर्सिटी व अन्य टेक्निकल यूनिवर्सिटी में पहला स्थान प्राप्त किया है. जबकि हम एनआईआरएफ रैंकिंग में केवल दूसरे ही साल शामिल हुए है. इस रैंकिंग में कानुपर यूनिवर्सिटी, लखनऊ यूनिवर्सिटी व डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी जैसे बड़े और पुराने यूनिवर्सिटी को काफी पीछे छोड़ दिया है. उन्होंने यूनिवर्सिटी की उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आने वाले समय में यूनिवर्सिटी को टॉप 50 इंस्टीट्यूशन की लाने का प्रयास किया जा रहा हैं.

ओवर ऑल सातवां स्थान

प्रो-वीसी ने बताया यूपी गवर्नमेंट के आधीन जितने भी यूनिवर्सिटी और टेक्निकल इंस्टीट्यूशन है उनमें एचबीटीयू को पहला स्थान मिला है. इसके आलावा स्टेट में सभी स्टेट और सेंट्रल गर्वमेंट के ओवरऑल लिस्ट में सातवां स्थान प्राप्त किया हैं. ओवर ऑल रैंकिंग में एचबीटीयू के प्रो. शुक्ल ने बताया कि एचबीटीयू में एजुकेशन क्वालिटी में लगातार सुधार किया जा रहा है. इस बार यूनिवर्सिटी में पहली बार 60 लाख तक की नौकरी स्टूडेंट्स को ऑफर हुई है.

समर इंटर्नशिप का मिला रिजल्ट

कोरोना काल में विपरीत परिस्थितियों में भी किसी भी कंपनी ने अपने जॉब ऑफर को कैंसिल नहीं किया. यह सब चीजें यूनिवर्सिटी के बेहतर प्रदर्शन का आधार रही. इसके अलावा यूनिवर्सिटी में बीते एक साल में कई निर्माण कार्य भी हुए. जिनमे 200 सीटर व 36 सीटर गर्ल्स हॉस्टल व 400 सीटर ब्वॉयज हॉस्टल, केमिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक विभाग का नया भवन, सेमिनार हॉल, बहुउद्देश्यीय भवन जैसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया. इसके साथ ही पहले साल रैंकिंग ने मिलने का सबसे बड़ा करण यूनिवर्सिटी में टीचर्स की कमी का होना था. उसे पूरा करने के लिए हमे कांट्रैक्ट लेवल पर उनकी भर्ती की. जिसे यूनिवर्सिटी का एकेडमिक रिकार्ड में काफी सुधार आया. इसके साथ ही हर कोर्स में स्टूडेंट्स को समर इंटर्नशिप पर पूरा फोकस किया गया.

आईआईटी कानपुर की छठी रैंक, एचबीटीयू की 166वीं

एनआईआरएफ रैंकिंग : पिछले साल इसी स्थिति में था अपना आईआईटी, एचबीटीयू नहीं था सूची में

[illegible]

[illegible]

आवेदन मिले 5805

[illegible]

देश के टॉप 10 संस्थान

1. आईआईटी मद्रास
2. आईआईएससी बंगलूरू
3. आईआईटी दिल्ली
4. आईआईटी बॉम्बे
5. आईआईटी खड़गपुर
6. आईआईटी कानपुर
7. आईआईटी गुवाहाटी
8. जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी
9. आईआईटी रुड़की
10. बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी

टॉप 10 यूनिवर्सिटी

1. आईआईएस बंगलूरू
2. जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी
3. बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
4. अमृता विश्वविद्यापीठम कोयंबटूर
5. जादवपुर यूनिवर्सिटी
6. हैदराबाद यूनिवर्सिटी
7. कलकत्ता यूनिवर्सिटी
8. मनिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन मनिपाल
9. सावित्रीबाई फूले यूनिवर्सिटी पुणे
10. जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली

इंजीनियरिंग

1. आईआईटी मद्रास
2. आईआईटी दिल्ली
3. आईआईटी बॉम्बे
4. आईआईटी कानपुर
5. आईआईटी खड़गपुर
6. आईआईटी रुड़की
7. आईआईटी गुवाहाटी
8. आईआईटी हैदराबाद
9. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तिरुचिरापल्ली
10. आईआईटी इंदौर

मेडिकल

1. एम्स दिल्ली
2. पीजीआई चंडीगढ़
3. क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर
4. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज बंगलूरू
5. एसजीपीजीआई लखनऊ
6. बीएचयू बनारस
7. अमृता विश्व विद्यापीठम तमिलनाडु
8. जेआईपीएमईआर पुडुचेरी
9. कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज मनिपाल
10. केजीएमयू लखनऊ

मैनेजमेंट संस्थान

1. आईआईएम अहमदाबाद
2. आईआईएम बंगलूरू
3. आईआईएम कलकत्ता
4. आईआईएम लखनऊ
5. आईआईटी खड़गपुर
6. आईआईएम कोझिकोड
7. आईआईएम इंदौर
8. आईआईटी दिल्ली
9. जेवियर लेबर रिलेशन इंस्टीट्यूट
10. एमडीआई गुड़गांव

लॉ

1. नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बंगलूरू, 2. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली, 3. नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ हैदराबाद, 4. आईआईटी खड़गपुर, 5. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर, 6. द वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूडिशियल साइंसेज, 7. गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, 8. सिंबायोसिस लॉ स्कूल, 9. जामिया मिल्लिया इस्लामिया 10. आरजीएनयूएल पटियाला

फार्मेसी

1. जामिया हमदर्द दिल्ली, 2. पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़, 3. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च मोहाली, 4. इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल टेक्नोलॉजी मुंबई, 5. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च हैदराबाद, 6. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस पिलानी, 7. मनिपाल कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, 8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च अहमदाबाद, 9. जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऊटी, 10. जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मैसूर

अच्छे प्लेसमेंट, शिक्षा में सुधार से एचबीटीयू को सफलता

कानपुर। एनआईआरएफ की रैंकिंग से पिछले साल बाहर रही एचबीटीयू (हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी) ने इस बार बड़ी सफलता हासिल की है। एचबीटीयू को ओवरऑल 166वीं रैंक हासिल हुई है। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने बताया कि अच्छे प्लेसमेंट, सेमिनार, शिक्षा के स्तर में वृद्धि की वजह से यह सफलता हासिल हुई है। इस साल छात्रों को 40 लाख से 60 लाख तक के पैकेज मिले हैं। गूगल, अमेजन जैसी कंपनियों ने छात्रों का चयन किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार से अनुदानित संस्थानों में एचबीटीयू को पहली रैंक मिली है। वहीं ऐसे केंद्रीय संस्थान जिन्हें प्रदेश सरकार से भी अनुदान मिलता है (जैसे आईआईटी कानपुर, बीएचयू आदि) उनमें सातवीं रैंक है। प्रो. सिंह ने कहा विश्वविद्यालय में इस वर्ष हॉस्टल, नए भवन आदि शामिल हैं।

एक तराजू में नहीं तौली जा सकतीं सभी यूनिवर्सिटी

सभी यूनिवर्सिटी को एक ही स्केल पर नहीं नापा जा सकता है। हर यूनिवर्सिटी के पास अलग फंडिंग होती है। उसी आधार पर डेवलपमेंट होते हैं। ये बातें एचबीटीयू के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज शुक्ला ने कहीं। उन्होंने कहा कि आईआईटी आईआईटी का सालाना बजट 400 करोड़ का है, जबकि एचबीटीयू को इस साल से 24 करोड़ मिलने लगे हैं। किसी भी यूनिवर्सिटी का विकास फंड और फैकल्टी पर निर्भर करता है।

मैनेजमेंट श्रेणी में भी आईआईटी कानपुर सुधरा

आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने बताया कि संस्थान ने मैनेजमेंट श्रेणी में इस बार 16वां स्थान पाया है, जबकि पिछले साल 22वां स्थान था। यह संस्थान के लिए खुशी की बात है।

सीएसजेएमयू और सीएसए बाहर : रैंकिंग में 1100 कॉलेजों को संचालित करने वाली सीएसजेएमयू और कृषि विश्वविद्यालय सीएसए को नहीं शामिल किया गया है। कहा जा रहा है कि मानक पूरे न कर पाने के चलते ऐसा हुआ है।

एचबीटीयू पहली बार टॉप 200 में हुआ शामिल

तकनीकी संस्थानों में एचबीटीयू 166वें स्थान पर है। 2016 में विवि बनने के बाद यह पहली बार टॉप 200 में आया है। कुलपति प्रो. एनबी सिंह के मुताबिक बीते दो साल में शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के साथ ही विवि में पढ़ाई का बेहतर माहौल दिया गया।